अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) दिनांक 21.12.2013

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन – 70

प्र.1 किन्हीं बारह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 12

(क) जयाचार्य ने कितने पद्य प्रमाण साहित्य का सृजन किया?

(ख) 'अहं पुण एवं आइक्खामि.....।'' से क्या तात्पर्य है?

(ग) जयाचार्य द्वारा रचित 'भगवती जोड़' में कितने गीत हैं?

(घ) अहिंसा का उद्‌गम स्थल क्या है?

(ङ) संक्षेप में निवृत्ति का सिद्धांत क्या है?

(च) वृद्ध साध्वियों के लिए सेवाकेन्द्र की स्थापना किसने, कब और कहाँ की?

(छ) 'कंटकात् कंटकमुद्धरेत' का क्या अर्थ है?

(ज) 'कल्प' किससे बने हुए होते हैं?

(झ) बोली को भाषा का स्थान प्राप्त करने के लिए कौन से तीन प्रमाण देने पड़ते हैं?

(ञ) तेरापंथ द्विशताब्दी पर साधना के कौन से प्रयोग सुनिश्चित किये गये?

(ट) भावपूजा का क्या अर्थ है?

(ठ) पूजा के छह प्रकार कौन–कौन से हैं?

(ड) आचार्य तुलसी ने राजस्थानी में कितने पद्य लिखे?

(ढ) मर्यादा का पांचवा उद्देश्य क्या है?

(ण) आचार्यश्री आपको नींद तो आ जाती है? यह प्रश्न किसने किससे पूछा?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दें? 10

(क) गणिपिटक किसे कहते हैं?

(ख) 'भिक्षु चेतना वर्ष में सामाजिक व अन्य कार्यों के सम्पादन की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर की कौन–कौन सी संस्थाओं को जोड़ा गया?

(ग) साधु जीवन में कला का उपयोग किन–किन उद्देश्यों के कारण स्वीकृत किया गया?

(घ) अयोग्य दीक्षा के प्रवाह को रोकने के लिए आचार्य भिक्षु ने कौन सा नियम बनाया?

(ङ) मर्यादा निर्माण का क्या उद्देश्य था?

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें। 18

(क) निर्जरा के विषय में आचार्य भिक्षु के विचार लिखें।

(ख) विचार और आचार की एकसूत्रता की घटना को लिखते हुए बतायें कि वैचारिक आचार–संहिता क्या है?

(ग) आचार्य तुलसी ने युग दृष्टा बनकर ऐसी कौन सी नई लकीरें खींची कि तेरापंथ ने नये युग में प्रवेश कर लिया।

(घ) आचार्य भिक्षु ने धर्म का क्या स्वरूप बताया?

(ड.) तेरापंथ की मौलिक विशेषताओं को दो–2 पंक्तियों में परिभाषित करें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए। 30

(क) ''आचार्य भिक्षु ने साधु–साध्वियों के लिए मर्यादायें बनायी और आचार्य तुलसी ने श्रावक–श्राविकाओं के लिए मर्यादायें बनाकर तेरापंथ की नींव व अनुशासन को मजबूत कर दिया।'' इस कथन को सिद्ध करें।

(ख) संघबद्ध साधना के कौन–कौन से सूत्र हैं? विवेचन करें।

(ग) आचार्य भिक्षु की मौलिक स्थापनाओं पर प्रकाश डालें।

(घ) ''तेरापंथी कौन?'' इस विषय पर सारगर्भित लेख लिखें।

भिक्षु वाणी – 30

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें। 15

(क) रूंख जिम.....रे कांन।

(ख) जीव अजीव.....आवतां कर्म।।

(ग) राते भूला.....रा भूला।।

(घ) हलूकरमीं.....टलें असमाध।।

(ङ) एकण रे दे.....संभालो।।

प्र.6 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) होनहार (ख) सुख–दुःख

(ग) सत्पुरुष (घ) साध्वाभास

(ड.) विसंगति

प्र.7 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) बावल बाजे.....में कूर।।

(ख) दवरो दाधो.....हुवें ताहि।।

(ग) केइ रूंख.....पारिखा ए।।

(घ) दातार री.....छे तपार।।